अप्रैल २०१६ की मासिक प्रगति व् आर्थिक विवरण

१) कामधेनु हवन, पीछे गौरक्षा की सीढ़ी का ५०००० रंगीन पत्रक छपा और १००० शाकाहार पुस्तिका छपी।

२) ५ से २२ अप्रैल ताराकांत जी व् सत्यनारायण साह - पथमेड़ा - ८ से १६ अप्रैल **गौ कृपा महोत्सव** में सम्मिलित होने व् प्रचार करने गये। संतो को पत्र दिये। कामधेनु हवन के रंगीन पत्रक बांटे। ६ लोग राम के सदस्य बने, ११ लोगों के नाम पते नॉट करके लाये। १०० शाकाहार पुस्तक, विशिष्ठ जनो को दी गयी। लौटते समय गजनेर - जिला बीकानेर गये। और रामेश्वर लाल जी महेश्वरी के घर गये। उनका पंचगब्य पदार्थो का उत्पादन उनके जाने के बाद भी चालू है। उन्होंने अर्क उपहार स्वरुप दिया।

३) अनेक लोगों को सुचना दी गयी। बम्बई के श्री ए एन सी सिंह ने २०० **शाकाहार पुस्तकें** मंगाई। श्रीललित चौधरी गोरखपुर में २०० **शाकाहार पुस्तकें** बांटी।

४) १७ अप्रैल फूलमाला गौशाला में कामधेनु हवन हुआ। समाचार अनेक पत्रों में छपा।

५) हर शनिवार सर्वोदय में और रविवार न्यूअलीपुर में बैठक हुई। बकरीद पर गौरक्षा की रणनीति बनी -चर्चा हुई, जिम्मेदारी ली/दी गयी। संत पत्र , गौरक्षा परमो धर्मः, इतने प्रकार के कर अन्याय है - लेख पढ़े गये।

६) मिश्राजी, जयप्रकाशजी, हरिनाम सिंह जी उज्जैन प्रचार करने और संतो से संपर्क करने गये। सदस्यता हेतु नया बैनर बना।

७) श्री अवधेश अवस्थी राजस्थान के २-३ जिलों में ७ नवंबर कार्यक्रम के संयोजक बनने तैयार हुए।

<u>आर्थिक विवरण</u>

प्राप्ति :- सदस्यता - ९९९, सहयोग ७७५६०, पंचगब्य प्रचार-७७१७) प्रचार सामग्री प्रचार ९२९५) गुल्लक २८१) **कुल = ९५८५२**

खर्च: छपाई और डी टी पी - २७५२८) वेतन+ खाना -१८७८४) रेल भाड़ा -९४२०) बैनर -४५००), चाय आदि - ४३०१), विज्ञापन -२०००) यातायात - १९३४), फोन - फैक्स १६५२), आर्य समाज - ११००) डाक व् कोरियर - १०७५) बिजली २७०) खुदरा खर्च - २७६) **सहयोग** - गौशाला-६०००, दिल्ली सत्याग्रह-२०००, संत-३०००, गौभक्त-१०००, विपश्यना -१०००) **कुल = ८५८४०**

खर्च के प्राप्ति ज्यादा - १००१२)

भावी योजना : १) राउरकेला पंचकुल निर्माण को प्राथमिकता, अन्य गौशालाओं को पंचकुल निर्माण द्वारा स्वावलम्बन सुझाव।

२) ७ नवंबर २०१६, स्वर्ण जयंती मनाने व्यापक विकेंद्रीय सत्याग्रह/प्रार्थना सभा का आयोजन करवाने और ज्ञापन सौंपने संतो, गौभक्तों, संस्थाओं से संपर्क

३) ९, १०, ११ सितंबर विनोबा जयंती हेतु पश्चिम बंग कृषि व् गौरक्षा संघ का सहयोग करना

४) बकरीद पर गौरक्षाके विविध प्रयास - संस्थाओं, वकीलों, सरकार, संस्थाओं को आदेशों के सारांश का विज्ञापन देने लिखना।

५) कामधेनु हवन, गौचित्र ,छोटी डायरी, शाकाहार पुस्तिका, नवग्रह धुप, हवन किट, कंडो पर शव दाह का प्रचार।

आवश्यकतायें : १) सदस्य और कार्यकर्त्ता बनाने ; २) संतो, संस्थाओं से संपर्क करने के लिये प्रभावशाली व्यक्ति ३) १००० या ज्यादा के मासिक/११००० या ज्यादा के वार्षिक सहयोगी ४) पंचकुल पंच "ज" योजना में निवेश ५) प्रतिमाह ५००-५००० के पंचगब्य क्रेता + उपहार दाता।